मोड़ाले

ग्राम पंचायत
ब्लॉक पंचायत: इगतपुरी
जिला पंचायत: नासिक (महाराष्ट्र)

स्वच्छ एवं हरित पंचायत

3 PRIZE

प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: 259713
कुल निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधि: 11
(पुरुष: 5, महिला: 6)
कुल जनसंख्या: 1683
(पुरुष: 867, महिला: 816)
कुल गांव: 1
कुल परिवार: 325

मुख्य उपलब्धियाँ

- हमारे पर्यावरणीय प्रयासों के लिए पंचायती राज मंत्रालय से दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तीकरण पुरस्कार (2022) पुरस्कार और राज्य स्तरीय 'माझी वसुन्धरा' पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- स्वच्छता के लिए 325 व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक शौचालयों की उपलब्धता
- कुशल अपशिष्ट प्रबंधन के लिए 1,275 ड्रेनेज लाइनों की उपलब्धता
- जैव विविधता को बढ़ावा देने और हरित क्षेत्रों को बहाल करने के लिए 90,000 पौधे लगाए गए
- बड़े पैमाने पर निर्माण परियोजना शुरू की गई, व्यक्तिगत और सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण किया गया, साथ ही अपशिष्ट प्रबंधन के लिए परिष्कृत भूमिगत जल निकासी प्रणाली भी बनाई गई
- सौर स्ट्रीट लाइट और पंप, बायोगैस इकाइयां और यहां तक कि मिनी पवन टर्बाइन जैसे नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों को क्रियान्वित किया गया।

चुनौतियाँ

- खुले में शौच और अप्रबंधित अपशिष्ट
- पर्यावरण की अनदेखी के कारण बीमारियाँ फैलीं और हमारे ग्रामीणों की खुशहाली पर असर पड़ा
- ईंधन के लिए वनों की कटाई

दृष्टिकोण

- ग्राम सभा और महिला सभा द्वारा सावधानीपूर्वक तैयार की गई ग्राम नियोजन प्रक्रिया।
- जन जागरूकता अभियान और शैक्षिक पहल

प्राप्त समर्थन

- केन्द्र एवं राज्य सरकार अनुदान (स्वच्छ भारत मिशन एवं मनरेगा)
- स्थानीय और कॉर्पोरेट फंडिंग
- गैर सरकारी संगठनों और एजेंसियों के साथ सहयोग
- महिला स्वयं सहायता समूह गांव में साफ-सफाई बनाए रखने, स्वच्छता को बढ़ावा देने और अन्य महिलाओं को शिक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं

ख सक्रिय ग्राम स्वच्छता समिति

सततता के लिए रोडमैप

- अर्जित उपलब्धियों और परिसंपत्तियों को कायम रखना

MODALE

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: IGATPURI
DISTRICT PANCHAYAT: NASHIK (MAHARASHTRA)

CLEAN AND GREEN PANCHAYAT

3 PRIZE

Profile:

Local Government Directory Code: 259713
Total Elected Panchayat Representatives: 11
(Male: 5, Female: 6)
Total Population: 1683 (Male: 867, Female: 816)
Total villages: 1
Total Households: 325

KEY ACHIEVEMENTS

- Received Deendayal Upadhyay Panchayat Sashaktikarana Puraskar (2022) Award from the Ministry of Panchayati Raj and the state-level 'Majhi Vasundhara' award for our environmental efforts
- Availability of 325 individual and public toilets for hygienic sanitation
- Availability of 1,275 Drainage Linesfor efficient waste management
- 90,000 Saplings planted to promote biodiversity and restore green spaces
- Large-scale construction project undertaken, building individual and public toilets, along with sophisticated underground drainage systems to manage waste effectively
- Implemented renewable energy solutions like solar streetlights and pumps, biogas units, and even mini wind turbines.

CHALLENGES FACED

- Open Defecation and Unmanaged Waste
- Environmental neglect led to disease outbreaks and compromised the well-being of our villagers
- Deforestation for Fuel

APPROACH TAKEN

- Village planning process, carefully crafted by the Gram Sabha and Mahila Sabha (Women's Assembly).
- Public awareness campaigns and educational initiatives

SUPPORT RECEIVED

- Central and State Governments grants (Swachh Bharat Mission and MGNREGS)
- Local and Corporate Funding
- Collaboration with NGOs and Agencies
- Women's Self-Help Groups play a vital role in maintaining cleanliness, promoting hygiene, and educating other women in the village
- Active Village sanitation committee

ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- Sustaining the achievements and assets created

मन्याचिवाडी

ग्राम पंचायत
ब्लॉक पंचायत: पाटन
जिला पंचायत: सतारा (महाराष्ट्र)

ग्राम ऊर्जा स्वराज विशेष पंचायत पुरस्कार

प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: 189955
कुल जनसंख्या: 420
(पुरुष: 131, महिला: 289)
कुल निर्वाचित प्रतिनिधि: 6
(पुरुष: 3, महिला: 3)
कुल परिवार: 98
कुल पेयजल पंप: 1
कुल किसान: 25
कुल स्ट्रीट लाइटें: 35

मुख्य उपलब्धियाँ

- 98 में से 65 कार्यात्मक बायो-गैस संयंत्र से जुड़े घर
- सभी 35 स्ट्रीट लाइटें सौर ऊर्जा से संचालित
- परियोजनाओं के तहत 30 लोगों को रोजगार प्रदान किया गया
- 25 में से 16 किसान सौर ऊर्जा चालित जल पंप का उपयोग कर रहे हैं
- 1 पेयजल पंप सौर ऊर्जा चालित
- सभी 102 घरेलू और सार्वजनिक संस्थानों की इमारतों में छत पर सौर मॉडल हैं
- 76 राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार प्राप्त
- आईएसओ प्रमाणित
- यहां 75 परिवारों के पास बायोगैस संयंत्र कार्यरत है

चुनौतियाँ

- वित्तीय बाधाएं
- परियोजना अनुमोदन
- पर्यावरण स्थिरता पर सीमित सार्वजनिक जागरूकता

दृष्टिकोण

- ग्राम पंचायत ने पर्यावरण स्थिरता पर जागरूकता पैदा करने के लिए प्रस्ताव पारित किया

प्राप्त समर्थन

- केन्द्र एवं राज्य सरकार अनुदान
- पुरस्कार राशि (सौर ऊर्जा और बायोगैस स्थापना के लिए 21.10 लाख रुपये)
- महिला स्वयं सहायता समूहों से वित्तीय सहायता

सततता के लिए रोडमैप

- पर्यावरण स्थिरता पर युवाओं को प्रशिक्षण
- विशेष रूप से परियोजनाओं के रखरखाव पर जागरूकता पैदा करना

MANYACHIWADI

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: PATAN
DISTRICT PANCHAYAT: SATARA (MAHARASHTRA)

GRAM URJA SWARAJ VISHESH PANCHAYAT PURASKAR

1 PRIZE

Profile:

Local Government Directory Code: 189955
Total Population: 420 (Male: 131, Female: 289)
Total Elected Representatives: 6
(Male: 3, Female: 3)
Total Households: 98
Total drinking water pumps: 1
Total farmers: 25
Total street lights: 35

KEY ACHIEVEMENTS

- 65 out of 98 households connected with functional Bio-Gas plant
  All 35 street lights solarized
- 30 persons provided employment under the projects
- 16 out of 25 farmers using solarized water pumps
- 1 drinking water pump solarized
- All 102 household and public institutions buildings have rooftop solar models
- Received 76 State and National level awards
- ISO certified
- 75 families here have a working biogas plant

CHALLENGES FACED

- Financial constraints
- Project approvals
- Limited public awareness on environment sustainability

APPROACH TAKEN

- Gram Panchayat passed resolution for awareness generation on environment sustainability

SUPPORT RECEIVED

- Central and State Government grants
- Award money (Rs.21.10 lakh for solar power and biogas setup)
- Financial support from women's self-help groups

ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- Training of youth on environment sustainability
- Creation of awareness especially on maintenance of projects

बेला

ग्राम पंचायत
ब्लॉक पंचायत: भंडारा;
जिला पंचायत: भंडारा; राज्य: महाराष्ट्र

कार्बन न्यूट्रल पंचायत

प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड:171959
कुल निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधि: 14
(पुरुष: 8, महिला: 6)
कुल जनसंख्या: 5914
(पुरुष: 2892, महिला: 3022)
कुल परिवार: 2027

मुख्य उपलब्धियाँ

- बड़े पैमाने पर लगभग 91550 वृक्षारोपण किया जाएगा।
- एकल उपयोग प्लास्टिक, पटाखे और कृषि अपशिष्ट पर प्रतिबंध लगाने हेतु जागरुकता अभियान।
- पंचायत द्वारा रसोई अपशिष्ट खाद तथा हरे व सूखे कचरे को घर-घर से एकत्र किया जाता है तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत अलग-अलग किया जाता है।
- प्रत्येक घर को अलग डस्टबिन वितरित किये जाते हैं।
- अधिकतम एक सौर प्रणाली का उपयोग और एलईडी लाइट्स हैं
- सामाजिक समूहों के माध्यम से जागरूकता फैला कर महिलाओं का महत्व समझाया गया

चुनौतियाँ

- प्रचार-प्रसार, परिवार भ्रमण, बैठकों के आयोजन के माध्यम से जागरूकता फैलाना तथा इसके महत्व के बारे में समझाना तथा ग्रामीणों की शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करना तथा शत-प्रतिशत कार्य पूरा करना।
- इस अवधारणा पर काम करते समय धन की आवश्यकता थी। ग्राम पंचायत ने ग्राम कार्य योजना तैयार की। इस उद्देश्य के लिए 15वें वित्त आयोग, ग्रामनिधि, मनरेगा, कृषि विभाग निधि, सार्वजनिक अंशदान उपलब्ध कराया गया और कार्बन न्यूट्रल गांव की अवधारणा के लिए आवश्यक सभी कार्य 100% पूरे हो गए हैं।

दृष्टिकोण

- गांव में एक तटस्थ कार्बन समिति की स्थापना की गई। महिला ग्राम संघ, महिला बचत समूह की छात्राएं और पर्यावरण दूतों ने गांव में बड़े पैमाने पर जनजागृति पैदा की। नुक्कड़ नाटक में लोगों को प्रदूषण के दुष्प्रभावों के बारे में समझाकर गांव को प्रदूषण से मुक्ति दिलाने में मदद की गई। गांव में पेड़ों की कटाई रोकी गई।
- ई-वाहनों के उपयोग के लिए जागरूकता फैलाई गई।

प्राप्त समर्थन

- कचरे से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए कचरे की छंटाई की गई तथा गीले कचरे से खाद बनाई गई। पेड़ लगाने के महत्व पर जोर दिया गया। प्रत्येक घर में 10 पेड़ लगाए गए।
- जीपीडीपी के तहत कुल बजट आवंटन 1,58,60,573/- रुपये है, इसमें से जीपी में कार्बन उत्सर्जन को कम करने से संबंधित गतिविधियों पर कुल व्यय 30,00,000/- रुपये है, इसमें से कार्बन उत्सर्जन को कम करने से संबंधित गतिविधियों के लिए कुल बजट 30,22,500/- रुपये आवंटित किया गया है। हमारे वरिष्ठ अधिकारियों उप मुख्य अधिकारी, खंड विकास अधिकारी, विस्तार अधिकारी ने पंचायत का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सततता के लिए रोडमैप

- किए गए काम की स्थिरता बनाए रखने के लिए ग्राम पंचायत द्वारा समितियों का गठन किया गया है।
- समितियों का सामाजिक अंकेक्षण ग्राम सभा द्वारा किया जाता है। किये गये कार्यों की समय-समय पर समीक्षा की जाती है, ग्राम पंचायत बेला जल पर्याप्त पंचायत की संकल्पना सदैव कायम रहेगी। गांव को कार्बन न्यूट्रल बनाते हुए सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिली। सही मायने में विकास की जरूरत। जल होगा, स्वच्छ हवा होगी, इस विषय को हासिल किया गया।

BELA

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: BHANDARA; DISTRICT PANCHAYAT: BHANDARA; STATE: MAHARASHTRA

Carbon Neutral Vishesh Panchayat Puraskar

1 PRIZE

Profile:

Local Government Directory Code: 171959
Total Elected Panchayat Representatives: 14
(Male: 8, Female: 6)
Total Population: 5914 (Male: 2892, Female: 3022)
Total Households: 2027

KEY ACHIEVEMENTS

- Tree Plantation in large scale at about 91550.
- IEC regarding Ban on single use plastic. Ban on Fire crackers and Agriculture Waste Burning.
- The Panchayat for using or Kitchen Waste Manure and green and Dry Waste in collected from door to door and segregated at Solid Waste Management creative.
- Separate Dust Bin are Distributed to the every Household.
- Maximum are a Solar System use & LED Lights
- The importance of women was explained by creating awareness through social groups

CHALLENGES FACED

- Awareness generation through publicity, family visits, organizing meetings and convinced the importance of same and got 100% participation of the Villagers and completed 100% work.
- Funding was required while working on the concept. Village Panchayat prepared Village Action Plan For this purpose, 15th Finance Commission, Gramnidhi, MGNREGA, Agriculture Department Fund, Public Subscription have made available and all the works required for the concept of Carbon neutral Village have completed 100%.

APPROACH TAKEN

- A neutral carbon committee was established in the village. Mahila Gram Sangh, students and environmental ambassadors of Mahila Savings Group created a large amount of public awareness in the village. By explaining the ill-effects of pollution to the people in the street dance, the village was helped to get rid of pollution. The felling of trees in the village was stopped.
- Awareness was created to use e-vehicles.

SUPPORT RECEIVED

- In order to curb the pollution caused by waste, the waste was sorted and compost was produced from the wet waste. The importance of planting trees was emphasized. 10 trees were adopted in each house.
- Total budget allocation under GPDP Rs. 1,58,60,573/-, Out of this, total expenditure made on activities related to reducing carbon emission in the GP Rs. 30,00,000/-, Out of this, total budget allocated for activities related to reducing carbon emission Rs 30,22,500/-. Our Senior Officers Dy. Chief Officer , Block Development Officer, Extention Officer Played important role to support Panchayat.

ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- Committees have established by the gram panchayat to maintain the sustainability of the work done.
- The social audit of the committees is done by the village assembly. The work done is reviewed from time to time, the concept of gram panchayat Bela Water Sufficient Panchayat will be maintained forever. While making the village carbon neutral, it helped to achieve the goal of sustainable development. In the true sense, the need for development. There will be water, there will be clean air, this theme has been achieved

नानाजी देशमुख

सर्वोत्तम पंचायत सतत् विकास पुरस्कार

दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सतत् विकास पुरस्कार के सभी 9 पुरस्कार विषयों के तहत ग्राम पंचाायतों/समकक्ष निकायों के समग्र प्रदर्शन और ब्लॉक तथा जिला पंचायतों की ग्राम पंचायतों के समग्र प्रदर्शन के आधार पर निम्नलिखित पंचायतें नानाजी देशमुख सर्वोत्तम पंचायत सतत् विकास पुरस्कार 2024 के तहत विजेता के रूप में उभरी हैं। यह पुरस्कार सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उनके समग्र और अभिसरण दृष्टिकोण को दर्शाता है।

श्रेणी	रैंक	पंचायत	राज्य	एलजीडी कोड पंचायत
सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायतें	1	मान्याचिवाड़ी (ब्लॉक पाटन , जिला सतारा)	महाराष्ट्र	189955
	2	बेबेजिया डेमो बंगथाई (ब्लॉक खगरिजन , जिला नगांव)	असम	107259
	3	थानाधार (ब्लॉक नारकंडा , जिला शिमला)	हिमाचल प्रदेश	9784
सर्वश्रेष्ठ ब्लॉक पंचायतें	1	छत्रपुर (जिला गंजम)	ओडिशा	3732
	2	अमरपुर (जिला गोमती)	त्रिपुरा	2890
	3	तिरोरा (जिला गोंडिया)	महाराष्ट्र	4748
सर्वश्रेष्ठ जिला पंचायतें	1	गोमती	त्रिपुरा	588
	2	कोरापुट	ओडिशा	322
	3	उडुपी	कर्नाटक	504

NANAJI DESHMUKH SARVOTTAM PANCHAYAT SATAT VIKAS PURASKAR

For overall performance of Gram Panchayats/Equivalent bodies and aggregate performance of Block and District Panchayats based on their GPs performance under all 9 award themes of Deen Dayal Upadhyay Panchayat Satat Vikas Puraskar, following Panchayats have emerged as winners under Nanaji Deshmukh Sarvottam Panchayat Satat Vikas Puraskar 2024. This award reflects their holistic and convergent approach for achieving Sustainable Development Goals.

Category	Rank	Panchayat	State	LGD Code of Panchayat
Best Gram Panchayats	1	Manyachiwadi (Block Patan, District Satara)	Maharashtra	189955
	2	Bebejia Demow Bangthai (Block Khagarijan, District Nagaon)	Assam	107259
	3	Thanadhar (Block Narkanda, District Shimla)	Himachal Pradesh	9784
Best Block Panchayats	1	Chatrapur (District Ganjam)	Odisha	3732
	2	Amarpur (District Gomati)	Tripura	2890
	3	Tirora (District Gondia)	Maharashtra	4748
Best District Panchayats	1	Gomati	Tripura	588
	2	Koraput	Odisha	322
	3	Udupi	Karnataka	504

यशवंतराव चव्हाण विकास प्रशासन अकादमी (यशदा)

राज्य: महाराष्ट्र

पंचायत क्षमता निर्माण सर्वोत्तम संस्थान पुरस्कार

प्रोफाइल:

- यशदा का मुख्यालय महाराष्ट्र के पुणे शहर में है, जो राज्य के सभी 6 प्रशासनिक प्रभागों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रणनीतिक रूप से स्थित है।
- राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (एसआईआरडी) अपनी स्थापना के समय से ही यशदा का एक अभिन्न अंग है।
- एसआईआरडी ग्रामीण क्षेत्र में विकास गतिविधि के संपूर्ण क्षेत्र में क्षमता निर्माण, अनुसंधान और ज्ञान साझाकरण को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्य उपलब्धियाँ

- यशदा पंचायती राज संस्थाओं में सतत् विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण पर रोडमैप तैयार करने वाला पहला राज्य था।
- पीडीआई के लिए अवधारणा के प्रमाण को विकसित करने की प्रक्रिया को सुगम बनाया गया तथा राज्य की 30 ग्राम पंचायतों में पीडीआई की अवधारणा को कार्यान्वित किया गया।
- अन्य राज्य ईआर और पीआरआई कार्यकर्ताओं के लिए एक्सपोजर विजिट और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित और सुविधा प्रदान की गई
- विकेंद्रीकृत शासन और सतत विकास लक्ष्य स्थानीयकरण को मजबूत करने के लिए अभिनव परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए यूनिसेफ, राष्ट्रीय महिला आयोग, न्याय विभाग के साथ साझेदारी की गई।
- स्वच्छ एवं हरित पंचायत तथा जल पर्याप्त पंचायत पर राष्ट्रीय कार्यशाला का सह-आयोजन
- यूनिसेफ के साथ मिलकर सीएफपी, डब्ल्यूएफपी और एसएसजेपी पर राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई
- ऑनलाइन प्रशिक्षण के लिए पंचायत समिति में वर्चुअल क्लासरूम प्रशिक्षण सक्रिय किया गया।

चुनौतियाँ

- पुनर्गठित आरजीएसए के कारण, प्रशिक्षण लक्ष्य सामान्य प्रशिक्षण कैलेंडर से दोगुना हो गया।
- राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों के साथ-साथ थीम 4 और 5 पर राष्ट्रीय कार्यशाला की जिम्मेदारी संभालना

दृष्टिकोण

- विस्तार प्रशिक्षण केंद्रों का प्रभावी प्रबंधन और निगरानी
- यूनिसेफ, विश्वविद्यालयों और अन्य संगठनों जैसी विभिन्न एजेंसियों के साथ साझेदारी की गई
- एसडीजी स्थानीयकरण प्रशिक्षण डिजाइन और कार्यक्रम के लिए कोर ग्रुप बनाया गया
- यशदा में स्थापित एसडीजी सेल का उपयोग एलएसडीजी पहल के लिए किया गया
- क्षेत्र के मुद्दों का आकलन करने और उसके माध्यम से प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को संशोधित करने के लिए हितधारकों के साथ परामर्श और कार्यशालाएं

प्राप्त समर्थन

- पंचायती राज मंत्रालय और एनआईआरडी एंड पीआर एक प्रमुख भागीदार हैं, जिन्होंने एसआईआरडी को एलएसडीजी और विकेन्द्रीकृत शासन के लिए कई नवीन गतिविधियों को प्राप्त करने में मदद की है, साथ ही नीति और प्रशिक्षण डिजाइन पहलुओं में योगदान करने के लिए धन और अवसरों के संदर्भ में भी मदद की है।
- 34 जिलों की पीआरआई यानी जिला परिषदों, पंचायत समितियों और ग्राम पंचायतों ने प्रतिभागियों को भेजने, पीडीपी को लागू करने और गुणवत्तापूर्ण प्रसार के साथ समय पर प्रशिक्षण आयोजित करने में सहयोग किया।
- पदाधिकारियों के प्रशिक्षण के प्रभावी वितरण के लिए लाइन विभाग का सहयोग

सततता के लिए रोडमैप

- प्रत्येक विषयगत सतत् विकास लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में उप-समूहों के प्रभावी प्रदर्शन को बढ़ावा देना
- एसडीजी स्थानीयकरण और विकेन्द्रीकृत शासन में सुधार के लिए नवीन गतिविधियों को चलाने के लिए अन्य स्रोतों/यशदा राजस्व से धन का अभिसरण
- यूएनएफपीए, यूनिसेफ, नीति आयोग आदि जैसे साझेदार संगठनों के साथ उनके कार्य और संसाधनों का लाभ उठाने के लिए सतत साझेदारी
- सभी हितधारकों को समय पर प्रशिक्षण, गुणवत्तापूर्ण विषय-वस्तु उपलब्ध कराना तथा सभी स्तरों पर वितरण

YASHWANTRAO CHAVAN ACADEMY OF DEVELOPMENT ADMINISTRATION (YASHADA)

STATE: MAHARASHTRA

Panchayat Kshamta Nirman Sarvottam Sansthan Puraskar

3 PRIZE

Profile:

- YASHADA is based in Pune city of Maharashtra which is strategically located to cater training needs of all 6 administrative divisions of the State.
- The State Institute of Rural Development (SIRD) is an integral part of YASHADA since its inception.
- SIRD is committed to capacity building, research and facilitating knowledge sharing in the entire spectrum of development activity in the rural sector.

KEY ACHIEVEMENTS

- Yashada was first state to prepare road map on Localising SDG.in PRIs.
- Facilitated the process of developing proof of concept for PDI and piloted the concept of PDI in 30 GPs of the state.
- Organized and facilitated exposure visit and training programs for other state ERs & PRI functionaries
- Buit partnerships with UNICEF, National Women Commission, DoJ for carrying out innovative projects for strengthening decentralized governance & SDG Localization
- Co-organised National workshop on clean &green Panchayat and water sufficient Panchayat
- Collaborated with UNICEF organised state level workshop on CFP,WFP&SSJP
- Virtual Classroom trainings activated in Panchayat Committee for online trainings.

CHALLENGES FACED

- Due to revamped RGSA,training targets doubled its usual training calendar.
- Shouldering the responsibility of National level programs as well like National workshop on Theme 4 & 5

APPROACH TAKEN

- Effectively managing and monitoring Extension Training Centers
- Partnerships made with various agencies like UNICEF, Universities, and such other organizations
- Created Core Group for SDG localization training designs and program
- SDG Cell established in YASHADA was leveraged for LSDG initiatives
- Consultations and workshops with stakeholders to gauge field issues and thereby revising training curriculum

SUPPORT RECEIVED

- MoPR and NIRD&PR as one of the key partner who helped SIRD achieve so many innovative activities for LSDGs and decentralized governance in terms of funds as well as opportunities to contribute at policy as well as training design aspects.
- PRIs i.e. Zilla Parishads, Panchayat Samitis and Gram Panchayats from 34 districts cooperated in sending participants, implementing PDPs and organizing trainings on time with quality dissemination
- Line Departments for effective delivery of trainings of functionaries

ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- Fostering effective performance of sub groups towards achieving each thematic SDG
- Convergence with funds from other sources/YASHADA revenue for carrying out innovative activities to improve SDG localization and decentralized governance
- Sustained partnerships with partner organizations such as UNFPA, UNICEF, NITI Aayog and the like for leveraging their work and resources
- State has formed Committees at all levels to implement SDG localization. Regular meetings and follow up with field